तू ही तारणहार है | By Kumaar Mukesh

तू ही तारणहार है सबका तू ही पालनहार
तेरे एक इशारे से शिव चलता ये संसार

भस्म रमाये औघड़ दानी भेष बड़ा ही निराला है
जटा में जिनकी गंगा बिराजे गले में सर्पों की माला है
गले में सर्पों की माला है .....
माया तुमरी समझ ना आये कोई ना पाया पार

एक लौटे जल से शिव शंकर सबसे प्रसन्न हो जाते हैं
भोले शंकर की भक्ति से पाप सभी मिट जाते हियँ
पाप सभी मिट जाते हियँ .....
करलो शिव शंकर की भक्ति करदे भव से पार

तीन लोक के तुम हो स्वामी जग के भाग्य विधाता हो
घट घट वासी अन्तर्यामी देते सबको सहारा हो
देते सबको सहारा हो.....
रेहमत के तेरे खुले भंडारे जग के पालनहार
तू ही तारणहार .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%82-%e0%a4%b9%e0%a5%80-%e0%a4%a4%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%a3%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by/